

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर

विद्यार्थी संगोष्ठी
वनस्पति शास्त्र विभाग
दिनांक 25.02.2019

“प्राकृतिक संसाधनो का संरक्षण”



(डॉ. राजेश बकोरिया)
विभागाध्यक्ष
वनस्पति शास्त्र विभाग

(डॉ. जया शर्मा)
संयोजक
आई.क्यू.ए.सी.

Conservation of Natural Resources प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण

वनस्पति शास्त्र विभाग के द्वारा दिनांक 25.02.2019 को प्रातः 11:30 बजे विद्यार्थी सेमीनार का आयोजन कक्ष क्रं. 21 में किया गया।

वर्तमान परिवेश में हम अनेको समस्याओं से जूझ रहे हैं। इनमें प्राकृतिक स्रोतों का दोहन बहुत बुरी तरह से किया जा रहा है। अतः इनके संरक्षण की महती आवश्यकता है। इस थीम को लेकर वनस्पति शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों द्वारा एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुमन तनेजा द्वारा की गई। कार्यक्रम में आई.क्यू.ए.सी. सेल की संयोजक डॉ. जया शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. सुधा लाहोटी वरिष्ठ प्राध्यापक, डॉ. जी.एल.जैन, डॉ. अनूप सिंह, डॉ. कलिका डोलस एवं डॉ. नेहा शर्मा ने अपनी उपस्थिति से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। सम्पूर्ण सेमीनार वनस्पति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश बकोरिया के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में प्राचार्य महोदय एवं अन्य प्राध्यापकगणों द्वारा माँ सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यापर्ण किया गया। इस अवसर पर छात्रा हीरामणी एवं साथियों द्वारा सरस्वती वंदना की गई।

अगले चरण में विद्यार्थियों द्वारा प्राचार्य मेम एवं अन्य अतिथियों का पुष्प वाले पौधे भेंट करके स्वागत किया गया।

STUDENT'S SEMINAR

सकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर

पति-शास्त्र वि





कार्यक्रम का संचालन कु. सानम एव कु. हीरामणी वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में प्राचार्य महोदय द्वारा वर्तमान परिवेस में प्राकृतिक संसाधनो के अत्याधिक दोहन एवं उनका भविष्य में मानव जीवन पर क्या प्रभाव होगा पर विस्तार से चर्चा की एवं जनसंख्या वृद्धि को इसके लिये उत्तरदायी बताया।



विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश बकोरिया ने इस सेमीनार की आवश्यकता उद्देश्य एवं निवारण के लिये क्या किया जा सकता है। पर प्रकाश डाला। साथ ही आई. क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. जया शर्मा ने विद्यार्थियों को इस तरह के विषय के चयन करने पर शुभकामनायें दी एवं बताया कि वर्तमान परिपेक्ष्य में इस तरह के विषयों सेमीनार के आयोजनों की बहुत आवश्यकता है। यदि आज हमने कुछ नहीं बचाया तो आने वाली पीढ़ियों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। अतः वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा बहुत अच्छा विषय चयनित किया है।



इस अवसर पर सुधा लाहोटी, डॉ. कलिका डोलस , डॉ. अनूप सिंह एव डॉ. नेहा शर्मा, ने अपने विचार व्यक्त किये। प्रारंभ में कु. चांदनी राठौर ने वनस्पति शास्त्र के इतिहास एवं उनके पिता, उसकी विभिन्न शाखाओं एवं वनस्पति शास्त्र में कैरियर एवं उसके महत्व पर प्रकाश डाला।



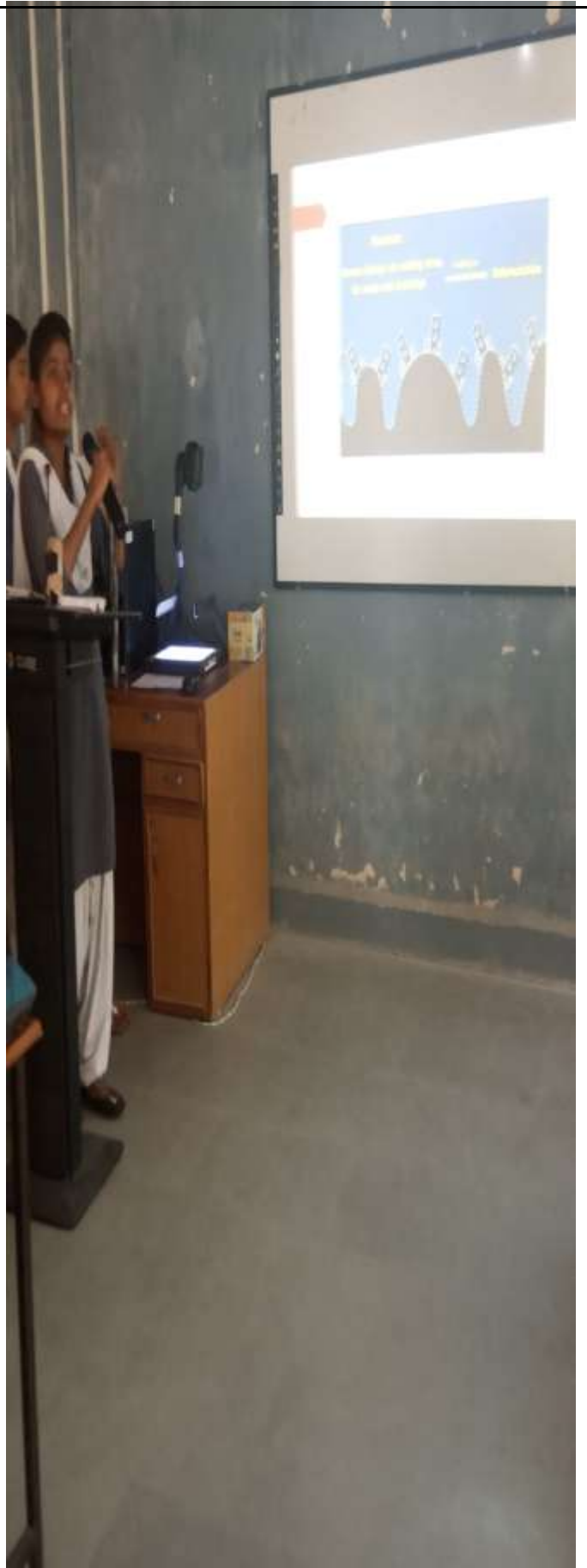
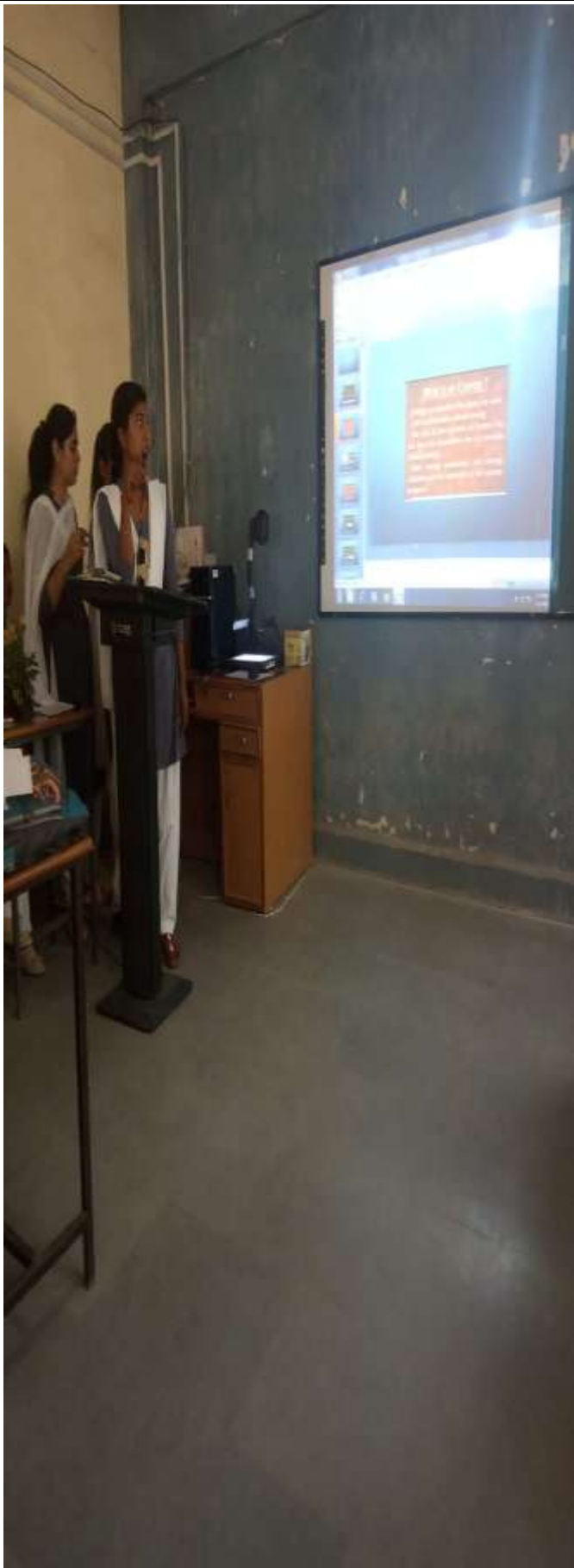


सेमीनार के प्रारंभ में कु. चांदनी राठौर ने वनस्पति शास्त्र के इतिहास, वनस्पति शास्त्र की विभिन्न शाखाओं एवं उसके महत्व पर प्रकाश डाला।

विभिन्न विद्यार्थियों द्वारा जिन शीर्षकों पर अपने पेपर प्रस्तुत किए उनका विवरण निम्नानुसार है

क्र.	विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	शीर्षक
01	सानम सिद्धिकी	B.Sc. II year	जल प्रदूषण के कारण व निदान
02	निकिता वर्मा	B.Sc. II year	प्राकृतिक संसाधन
03	पूजा सिसोदिया	B.Sc VI sem	जल संरक्षण के उपाय
04	अंकिता चन्द्रवंशी	B.Sc VI sem	ध्वनि प्रदूषण कारण एवं सुझाव
05	हंसा चन्द्रवंशी	B.Sc VI sem	ओजोन परत क्षरण प्रमुख कारण
06	योगिता वर्मा	B.Sc VI sem	ग्रीन हाउस प्रभाव का मानव फीमन पर प्रभाव
07	सती वर्मा	B.Sc VI sem	रेडियोधर्मी प्रदूषण
08	जैनव अली	B.Sc VI sem	मृदा प्रदूषण के कारण एवं मृदा संरक्षण
09	हीरामणी वर्मा	B.Sc. I year	जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव
10	वर्षा वर्मा	B.Sc. VI sem	वायु प्रदूषण के प्रमुख कारण
11	स्वाति चन्द्रवंशी	B.Sc VI sem	ग्लोबल वार्मिंग
12	आरती वर्मा	B.Sc II year	प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में छात्रों की भूमिका
13	पूजा चन्द्रवंशी	B.Sc II year	मृदा संरक्षण
14	रुचिका दांगी	B.Sc. I year	मृदा प्रदूषण के बचाव
15	पूनम राजपूत	B.Sc. VI sem	वायु प्रदूषण के कारण
16	सुलोचना मेवाड़ा	B.Sc II year	पर्यावरण एवं प्राकृतिक स्रोतों का संरक्षण
17	सुनीता सूर्यवंशी	B.Sc II year	खनिज संरक्षण
18	कु. रचना	B.Sc II year	वन संरक्षण
19	रिषिका गुप्ता	B.Sc II year	ग्रीन हाउस प्रभाव
20	खुशबू मालवीय	B.Sc II year	ग्रीन हाउस प्रभाव





कुल 20 विद्यार्थियों द्वारा अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस सेमीनार में कुल 61 बच्चों ने भाग लिया। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।





